

हरिभूमि महेन्द्रगढ़-नारनौल भूमि

रोहतक, रविवार 27 सितंबर 2026

खबर संक्षेप

संदिग्ध परिस्थितियों में युवक की जान गई

मंडी अटेली। गांव रातां के समीप एक निजी गोदाम में चौकीदारी करने वाले युवक की शनिवार को संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई। मृतक की पहचान गांव बोहका निवासी 29 वर्षीय अरुण के रूप में हुई है। अरुण रातां के समीप स्थित निजी गोदाम में चौकीदारी का काम करता था। शनिवार सुबह आसपास के लोगों को युवक के फंदे पर लटक होने की जानकारी मिली।

जन परिवेदना समिति की बैठक कल

नारनौल। राजस्व एवं आपदा प्रबंधन मंत्री विपुल गोयल 28 सितंबर को सायं चार बजे राजकीय पीजी महाविद्यालय सभागार में जिला लोक संपर्क एवं जन परिवेदना समिति की मासिक बैठक लेंगे। उपायुक्त अनुपमा अंजली ने बताया कि इसमें पहले से निर्धारित 12 मामले सुनवाई के लिए रखे जाएंगे, जिनका संबंधित विभाग के अधिकारियों द्वारा समाधान किया जाएगा।

रक्तदान शिविर 5 अक्टूबर को

नारनौल। हरियाणा गवर्मेंट पीडब्ल्यूडी मैकेनिकल वर्कर्स यूनियन के 59वें स्थापना दिवस पर कर्मचारियों की ओर से पीडब्ल्यूडी रेस्ट हाउस यूनियन कार्यालय में पांच अक्टूबर को रक्तदान शिविर आयोजित किया जाएगा। इस संबंध में जिला प्रधान रमेश चन्द्र यादव एवं ब्रांच प्रधान रामशरण यादव ने बताया कि कार्यक्रम में मुख्य अतिथि कार्यकारी अधिकारी प्रदीप कुमार, उपमंडल अभियंता मुकेश शर्मा, महेश कुमार उपमंडल अभियंता होंगे। अध्यक्षता राज्य प्रधान ईश्वर शर्मा, राज्य महासचिव संदल सिंह, राज्य कोषाध्यक्ष भगवान अहलावत करेंगे।

पॉलिटेक्निक में अभिभावक अध्यापक बैठक 28 को

नारनौल। बाबा खेतानाथ गवर्नमेंट पॉलिटेक्निक में शैक्षणिक सत्र 2026-27 के अंतर्गत 28 सितंबर को प्रथम अभिभावक-अध्यापक बैठक (पीटीएम) होगी। यह बैठक संस्थान की मॉर्निंग शिफ्ट के अंतर्गत संचालित सभी विभागों में आयोजित होगी। संस्थान के प्रधानाचार्य अनिल यादव ने सभी विभागाध्यक्षों को निर्देश दिए हैं।

वार्षिक उत्सव व जयंती समारोह कल

महेंद्रगढ़। शहीद भगत सिंह जन कल्याण एवं जीवदया फाउंडेशन की ओर से 28 सितंबर को एक वर्ष की सेवा, सदाचार और सहयोग के उपलब्ध में वार्षिक उत्सव एवं शहीद भगत सिंह जयंती समारोह का आयोजन किया जाएगा। संगठन संचालक विकास शर्मा बुचौली ने बताया कि शहीद जयदयाल पार्क में पौधरोपण कार्यक्रम एवं सम्मान समारोह आयोजित किया जाएगा। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि एसडीएम योगेश सैनी व डीएफओ ऋषिराज शिरकत करेंगे।

सीएम आज गांव गोद में करेंगे वडनगर से वाराणसी सेवा यात्रा का स्वागत

हरिभूमि न्यूज़ ►►नारनौल

सेवा संकल्प अभियान के तहत वडनगर से वाराणसी सेवा यात्रा 27 सितंबर को हरियाणा-राजस्थान सीमा पर स्थित गांव गोद से महेंद्रगढ़ जिले में प्रवेश करेगी। इस मौके पर हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी स्वयं गांव गोद की सीमा पर पहुंचेंगे और यात्रा का भव्य स्वागत करेंगे। इन्हीं तैयारी को लेकर शनिवार को उपायुक्त अनुपमा अंजली ने गांव गोद पहुंचकर कार्यक्रम स्थल का जायजा लिया। इस मौके पर पूर्व मंत्री डॉ. अभय सिंह यादव भी मौजूद रहे। उपायुक्त ने बताया कि यात्रा के हरियाणा में प्रवेश पर भव्य स्वागत की तैयारियां की जा रही हैं। जनसभा के लिए बड़ा पंडाल लगाया जा रहा है, ताकि

17 जुलाई के बाद नहीं हुआ मोतियाबिंद का ऑपरेशन

हरिभूमि न्यूज़ ►►नारनौल

जिस जिले से प्रदेश की स्वास्थ्य मंत्री आरती सिंह राव विधायक हैं, उसी के जिला स्तरीय नागरिक अस्पताल में आंखों के ऑपरेशन के लिए मरीजों को

■ **रोज 25 से 30 मरीज आंखों का इलाज कराने पहुंच रहे, 125 केस ऑपरेशन के लंबित**

लिए रोजाना 25 से 30 मरीज अस्पताल पहुंच रहे हैं। कई मरीज ऐसे हैं, जो एक-दो नहीं, बल्कि बार-बार अस्पताल के चक्कर काट चुके हैं, लेकिन उन्हें अभी तक ऑपरेशन की तारीख नहीं मिल पाई है।

नागरिक अस्पताल में करीब आठ माह पहले सोनीपत के नागरिक अस्पताल से पुराना

स्वास्थ्य मंत्री के जिले में 3 माह से आंखों के ऑपरेशन की मशीन खराब, मरीज परेशान

माइक्रोस्कोप भेजा गया था। सोनीपत में नया उपकरण आने के बाद वहां इस्तेमाल किया जा रहा पुराना माइक्रोस्कोप नारनौल भेजा गया था। अस्पताल पहुंचने के बाद से ही इसमें बार-बार खराबी आने की बात सामने आती रही और अब इसके पूरी तरह खराब होने से आंखों के ऑपरेशन ठप हो गए हैं।

मरीजों का कहना है कि सरकारी अस्पताल में मामूली खर्च में इलाज की उम्मीद लेकर आते हैं, लेकिन मशीन खराब होने की जानकारी मिलने के बाद उन्हें निजी अस्पतालों का रुख करना पड़ रहा है। मरीजों के अनुसार मोतियाबिंद के ऑपरेशन पर निजी अस्पताल में हजारों रुपये से लेकर काफ़ी अधिक खर्च हो सकता है। आर्थिक रूप से कमजोर मरीजों के लिए यह अतिरिक्त खर्च परेशानी बढ़ा रहा है। कुछ मरीजों में इस स्थिति को लेकर नाराजगी भी है। बार-बार अस्पताल पहुंचने के बाद ऑपरेशन नहीं होने पर कई मरीज चिकित्सकों और स्टाफ से अपनी नाराजगी जाहिर करते हैं। कुछेक तो डाक्टरों पर निजी अस्पतालों से मिलीभगत और कमीशन तक के आरोप लगाने से भी नहीं चूकते हैं।



नारनौल। मरीजों को देखते नेत्र रोग विशेषज्ञ डा. नवीन यादव।

15 गोपाल मितल और डॉ. उषा यादव ने संभाला...



16 नशा तस्करी पर सीआईए की कार्रवाई, 2 मामलों में 7 किलो से...



नेताओं के कार्यालय तक पहुंच रही शिकायत

मशीन खराब होने से परेशान कुछ मरीज अपने परिचित नेताओं और जनप्रतिनिधियों के माध्यम से भी समस्या उठाने का प्रयास कर रहे हैं। कई बार मरीजों की ओर से स्वास्थ्य मंत्री के अटेली कार्यालय में फोन किए जाने की बात भी सामने आई है, लेकिन इससे स्थानीय स्तर पर अस्पताल की व्यवस्था को लेकर सवाल उठ रहे हैं।

आंखों के ऑपरेशन में माइक्रोस्कोप क्यों जरूरी

नेत्र रोग विशेषज्ञ डा. नवीन यादव के अनुसार सर्जिकल माइक्रोस्कोप आंखों के ऑपरेशन में महत्वपूर्ण उपकरण है। इसकी मदद से आंख के बेहद छोटे हिस्सों को बड़ा और स्पष्ट देखकर चिकित्सक ऑपरेशन करते हैं। मोतियाबिंद जैसे ऑपरेशन में इसकी भूमिका अहम होती है। ऐसे में उपकरण खराब होने से ऑपरेशन की सुविधा प्रभावित होना स्वाभाविक है और मरीजों को इंतज़ार करना पड़ता है।

यह बोले चिकित्साधिकारी

उप चिकित्सा अधिकारी डॉ. विजय डबास ने बताया कि माइक्रोस्कोप की मांग मुख्यालय में भेजी जा चुकी है और जल्द ही नया माइक्रोस्कोप अस्पताल में आने की उम्मीद है।

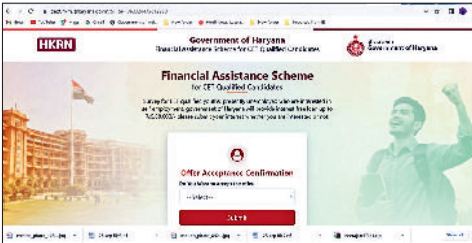
सरकार ने नौकरी नहीं मिलने वाले सीईटी उतीर्ण युवाओं से शुरू किया सर्वेक्षण

पांच लाख रुपये तक के ब्याजमुक्त ऋण का प्रस्ताव, महेंद्रगढ़ में 18,241 बेरोजगार पंजीकृत, 9532 युवा सक्षम योजना से जुड़े

राजकुमार ►►नारनौल

सरकारी नौकरी की आस में कॉमन पात्रता परीक्षा (सीईटी) पास करने वाले युवाओं के लिए अब सरकार स्वरोजगार का विकल्प टटोल रही है। हरियाणा सरकार की ओर से सीईटी उतीर्ण उन युवाओं का सर्वेक्षण शुरू किया गया है, जिन्हें अभी तक नौकरी नहीं मिली है। ऐसे युवाओं के मोबाइल पर एसएमएस भेजकर पूछा जा रहा है कि यदि उन्हें अपना काम शुरू करने के लिए पांच लाख रुपये तक का ब्याजमुक्त ऋण उपलब्ध कराया जाए तो क्या वे इसमें रुचि रखते हैं। युवाओं को एसएमएस में दिए गए वेब पोर्टल पर जाकर अपनी राय हां या ना में दर्ज करनी है। हालांकि, अभी यह पांच लाख रुपये का ऋण युवाओं को दिया नहीं जा रहा है। सरकार फिलहाल केवल यह जानने में जुटी है कि सीईटी पास बेरोजगार युवाओं में कितने युवा नौकरी के बजाय अपना काम शुरू करने में रुचि रखते हैं। सर्वेक्षण में मिलने वाली प्रतिक्रिया के आधार पर आगे की योजना पर निर्णय होने की संभावना है। सरकार के इस कदम ने रोजगार की तलाश में जुटे युवाओं के सामने मौजूद तस्वीर को भी सामने ला दिया है।

हरियाणा कर्मचारी चयन आयोग (एचएसएससी) ने तृतीय श्रेणी पदों के लिए आयोजित सामान्य पात्रता परीक्षा (सीईटी) का विस्तृत परिणाम 16 अप्रैल 2026 को घोषित



नारनौल। सरकार की ओर से भेजा गया एसएमएस व सरकार द्वारा खोला गया वेब पोर्टल।



योजना लागू होगी या नहीं, भविष्य के गर्म में

सरकार द्वारा भेजे जा रहे एसएमएस में इच्छुक सीईटी उतीर्ण बेरोजगार युवाओं को दिए गए वेब पोर्टल पर जाकर अपनी राय दर्ज करने को कहा गया है। अब देखना होगा कि सर्वेक्षण में कितने युवा स्वरोजगार के लिए ब्याजमुक्त ऋण को इच्छा जताते हैं और सरकार इस प्रतिक्रिया के आधार पर आगे क्या कदम उठाती है। इस प्रकार योजना के लागू होना या न होना अभी भविष्य के गर्म में छुपा हुआ है।

किया था। पिछले साल 2025 में 26 और 27 जुलाई को हुई परीक्षा का परिणाम दिसंबर में जारी किया गया था। इसके बाद से ही युवा विस्तृत परिणाम का इंतज़ार कर रहे थे। सीईटी

नारनौल। रोजगार कार्यालय में पंजीकरण कराने आए युवक। फोटो: हरिभूमि

जिला महेंद्रगढ़ में बेरोजगार

जिले में 18,241 बेरोजगार पंजीकृत महेंद्रगढ़ जिले में भी बेरोजगार युवाओं की संख्या कम नहीं है। जिला रोजगार कार्यालय के अनुसार जिले में इस समय 18,241 बेरोजगार युवा पंजीकृत हैं। वहीं हरियाणा सरकार की सक्षम युवा योजना के तहत जिले में 9,532 युवा काम कर रहे हैं। इनमें 1,009 पोस्ट ग्रेजुएट, 3,686 स्नातक तथा 4837 युवा 12वीं पास हैं। सरकार की ओर से पांच पंजीकृत बेरोजगार युवाओं को बेरोजगारी भता भी दिया जा रहा है। स्नातक या इससे अधिक शैक्षणिक योग्यता वाले युवाओं को 2,000 रुपये तथा 12वीं पास युवाओं को 1,200 रुपये प्रतिमाह बेरोजगारी भता देने का प्रावधान है। जिला रोजगार अधिकारी रणजीत सिंह ने बताया कि अनाद व्यक्ति भी रोजगार पाने का हकदार है और वह रोजगार कार्यालय में अपना पंजीकरण करा सकता है। हालांकि, अनापद व्यक्ति के लिए बेरोजगारी भता देने का प्रावधान नहीं है।

उद्योग विभाग को जानकारी नहीं

पांच लाख के प्रस्ताव की उद्योग विभाग को भी जानकारी नहीं सरकार के इस सर्वेक्षण में पांच लाख रुपये तक के ब्याजमुक्त ऋण का जिक्र होने के बाद जब जिला उद्योग केंद्र से इस संबंध में जानकारी ली गई तो अधिकारियों ने बताया कि उन्हें सरकार की इस योजना की जानकारी नहीं है। इससे स्पष्ट है कि फिलहाल यह मामला सर्वेक्षण और प्रस्ताव के स्तर पर ही है।

लेक्चरर के बैंक खाते से 3.76 लाख रुपये निकाले

नारनौल। किताब की स्पेसिमेन कॉपी मंगवाने के लिए गूगल पर नंबर सर्च करना एक लेक्चरर को महंगा पड़ गया। साइबर ठगों ने बुक डिपो का

■ **गूगल पर नंबर सर्च करना पड़ा महंगा ठगों ने वॉट्सएप पर एपीके एप्लीकेशन भेजी**

रुपये निकाल लिए गए। पीडित लेक्चरर राजकीय महिला महाविद्यालय अटेली मंडी में पढ़ाते हैं और

वर्तमान में रेवाड़ी में रहते हैं। उन्होंने पुलिस को दी शिकायत में बताया कि 18 सितंबर को उन्हें कॉलेज के लिए एक किताब की स्पेसिमेन कॉपी चाहिए थी। इसके लिए उन्होंने गूगल पर पंकज बुक डिपो का नंबर सर्च किया। मिले मोबाइल नंबर पर कॉल करने के बाद

उन्हें वॉट्सएप पर एक एपीके एप्लीकेशन भेजी गई। शिक्षक के अनुसार

एप्लीकेशन में फॉर्म भरने में परेशानी हुई, तो उनके वॉट्सएप नंबर पर दूसरे मोबाइल से वीडियो कॉल की गई। कॉल करने वाले ने स्क्रीन शेयर करवाई और फॉर्म भरवाया। इसके बाद रजिस्ट्रेशन के नाम पर दो रुपये की पेमेंट मांगी गई। शिक्षक ने अपने मोबाइल में मौजूद एप्लीकेशन से पेमेंट कर दी और फिर क्लास में चले गए। करीब दो घंटे बाद मोबाइल चेक किया, तो बैंक खाते से 3,76,280 रुपये निकले हुए थे। ठगी का पता चलते ही शिक्षक ने बैंक को सूचना दी और साइबर हेल्पलाइन नंबर 1930 पर शिकायत दर्ज कराई।

बिहाली गोशाला में फर्जी बिल बनाकर गबन करने पर केस

मंडी अटेली। बिहाली गोशाला में फर्जी बिल तैयार कर गोमाला की राशि हड़पने और बड़े पैमाने पर वित्तीय अनियमितताओं का गंभीर मामला सामने आया है। इस संबंध में रोहतास सिंह की शिकायत पर पुलिस ने मामला दर्ज किया है। शिकायत के अनुसार गोशाला के प्रबंधक और अन्य संबंधित लोगों पर फर्जी रसीदों, धान के धर्म कांटों की फर्जी पर्तियों के बिलों के माध्यम से लगभग एक करोड़ रुपये की राशि में हेराफेरी करने के आरोप लगाए गए हैं। आरोप है कि सितंबर 2024 में मजदूरों के फर्जी कार्य दिवस दर्शाकर, वार्षिक उत्सव और कार्यक्रमों के नाम पर बाजार से महंगे सामान और बैज खरीदने के फर्जी बिल लगाकर

गोशाला के फंड का दुरुपयोग किया गया। इसके अलावा कर्मचारियों के नाम पर अन्य कार्य दिखाकर राशि हड़पने और फोन पे के माध्यम से प्राप्त दान राशि को बैंक खाते में जमा न करने जैसी बातें भी सामने आई हैं। मामले की जांच रिपोर्ट के अनुसार, यह अनियमितताएं केवल प्रक्रियात्मक नहीं, बल्कि गंभीर वित्तीय धोखाधड़ी, खातों में हेराफेरी, और ग्यासी कर्तव्य का उल्लंघन हैं। जांच रिपोर्ट में कहा गया है कि यह सार्वजनिक धन और सरकारी सहायता के दुरुपयोग को उजागर करता है। अटेली थाना में भारतीय न्याय संहिता 2023 के प्रासंगिक प्रावधानों के तहत मामला दर्ज कर लिया गया है।

मृत्यु भोज पर रोक

सभा की ओर से मृत्यु भोज को लेकर भी स्पष्ट निर्णय लिया गया है। दूर के रिश्तेदारों के लिए केवल दाल या सब्जी-रोटी की सामान्य व्यवस्था को छोड़कर अन्य प्रकार के मृत्यु भोज पर रोक रखने की बात कही गई है। इसी प्रकार दिवंगत व्यक्ति के घर टीका लेन-देन की परंपरा को भी समाप्त करने का निर्णय लिया गया है। अभियान को प्रभावी ढंग से लागू करने के लिए प्रत्येक गांव में पांच सदस्यीय कमेटीयां गठित की गई हैं। ये कमेटीयां समाज द्वारा निर्धारित नियमों की निगरानी करेंगी। नियमों का उल्लंघन होने की स्थिति में आवश्यकता पड़ने पर अन्य गांवों की कमेटीयों से भी सहयोग लिया जा सकेगा। वक्ताओं ने युवाओं को गांजा, हिंदा सहित सभी प्रकार के नशे से दूर रहने का आह्वान किया। कहा कि सामाजिक कुरीतियों को समाप्त करने और नशे के खिलाफ जागरूकता पैदा करने की मुहिम समाज की युवा पीढ़ी और भविष्य से सीधे जुड़ी हुई है।

की शिक्षा पर किया जाए, तो इससे परिवार और समाज दोनों को वास्तविक लाभ मिलेगा।

कुरीतियों के खिलाफ जाट समाज का बड़ा अभियान, फैसलों को मिला समर्थन

बुढ़वाल-बनिहाड़ी में डीजे पर रोक, हर गांव में पांच सदस्यीय कमेटियां करेंगी निगरानी

हरिभूमि न्यूज़ ►►नारनौल

जाट सभा की ओर से सामाजिक कुरीतियों के खिलाफ शुरू किए गए अभियान को गांव-गांव से व्यापक समर्थन मिल रहा है। सभा प्रधान कुलदीप जेलदार के नेतृत्व में समाज ने तीन प्रमुख सामाजिक फैसले लिए हैं, जिनमें मृत्यु भोज पर पूर्ण रोक, दिवंगत व्यक्ति के घर टीका लेन-देन बंद करना तथा समारोहों में लड़कियों की ओर से उपहार बांटने की परंपरा समाप्त करना शामिल है। इन फैसलों के साथ अब समाज के लोगों ने डीजे और नशे जैसी अन्य सामाजिक बुराइयों के खिलाफ भी सख्त कदम



नारनौल। बैठक करते समाज के लोग।

फोटो: हरिभूमि

उठाने की मांग शुरू कर दी है।

अभियान के दौरान डीजे पर रोक का मुद्दा प्रमुखता से सामने आया। बुढ़वाल और बनिहाड़ी गांव में ही डीजे बंद करने का निर्णय लागू कर दिया गया है। अभियान की प्रभावी ढंग से लागू करने के लिए

प्रत्येक गांव में पांच सदस्यीय कमेटीयां गठित की गई हैं।

सतपाल दहिया ने कहा कि बेटियों के मायके से भात देने आने के दौरान उपहार बांटने जैसी रस्मों को परंपरा के नाम पर जारी रखने के बजाय समय के साथ सोच में

ये रहे मौजूद

इस मौके पर सतबीर बडेसरा गहली, जसवंत सहरावत सिरोही बहली, रामनिवास सरपंच, दिलीप मोहनपुर, लीलाराम सरपंच, अमय सिंह गांवड़ी जाट, ईश्वर तोताहेड़ी, केप्टन धीरज, तारीफ सिंह, माइराम भगतावाली, पवन दोगली, राजेंद्र मोहनपुर, सत्येंद्र सरपंच, मास्टर वीरेंद्र, सुरेंद्र थानेदार बुढ़वाल, लेखराम थानेदार कटारिया, रामकरण फौजी आदि मौजूद रहे।

बदलाव जरूरी है।

उन्होंने कहा कि दिवंगत व्यक्ति की याद में दिखावे और अनावश्यक खर्च करने के बजाय धनराशि का उपयोग बुजुर्गों की सेवा और बच्चों

आज की छोटी सी बचत ही कल की बड़ी पूंजी

- बड़ा फंड बनाने के लिए सिर्फ ज्यादा पैसा नहीं, सही समय और नियमित निवेश जरूरी
- निवेश को लंबा समय दें, लक्ष्य के अनुसार वित्तीय योजना से रणनीति तैयार करें

निवेश मंत्रा
बिजनेस डेस्क
इंड़े वित्तीय लक्ष्य एक-दो साल में पूरे नहीं होते।

इनके लिए कम उम्र से योजना बनाकर नियमित निवेश करना और उसे लंबे समय तक जारी रखना जरूरी है। छोटी रकम से शुरू किया गया निवेश भी पर्याप्त समय मिलने पर बड़ा फंड तैयार करने में मदद कर सकता है। इसका सबसे बड़ा कारण चक्रवृद्धि का प्रभाव है, जिसमें निवेश पर मिलने वाला रिटर्न आगे चलकर अतिरिक्त रिटर्न कमाने का आधार बनता है। वित्तीय योजना बनाते समय सबसे पहले यह स्पष्ट करना चाहिए कि किस उद्देश्य के लिए कितनी रकम और कितने समय बाद चाहिए। घर खरीदने, बच्चों की उच्च शिक्षा, कारोबार शुरू करने या रिटायरमेंट जैसे लक्ष्यों के लिए अलग-अलग रणनीति बनाई जा सकती है। एक ही निवेश विकल्प में पूरी रकम लगाने के बजाय जोखिम और जरूरत के हिसाब से पोर्टफोलियो में विविधता रखना भी महत्वपूर्ण है।



6000 रुपये महीने से समझें लंबी अवधि का असर

मान लीजिए कोई व्यक्ति हर महीने 6,000 रुपये की एसआईपी शुरू करता है और इसे 25 वर्षों तक जारी रखता है। यदि औसतन 12 प्रतिशत सालाना रिटर्न की सिर्फ गणना के लिए धारणा ली जाए, तो 25 साल में फंड करीब 1.13 करोड़ रुपये तक पहुंच सकता है। इसी उदाहरण में पांच साल बाद निवेश का अनुमानित मूल्य करीब 4.95 लाख रुपये, 10 साल बाद 13.86 लाख रुपये, 15 साल बाद 30.27 लाख रुपये और 20 साल बाद लगभग 60 लाख रुपये बताया गया है। यहां सबसे महत्वपूर्ण बात रकम से ज्यादा समय है। लंबे समय तक निवेश जारी रहने पर चक्रवृद्धि का प्रभाव बढ़ता जाता है। हालांकि, 12 प्रतिशत रिटर्न केवल उदाहरण के लिए लिया गया है। बाजार आधारित निवेश में रिटर्न निश्चित नहीं होता और वास्तविक रकम बाजार के प्रदर्शन के अनुसार अलग हो सकती है।

लक्ष्य की तारीख तय किए बिना न बनाएं निवेश योजना

निवेश शुरू करने से पहले यह तय करना जरूरी है कि रकम की आवश्यकता कब पड़ेगी। निकट भविष्य में इस्तेमाल होने वाले पैसे और 20-25 साल बाद चाहिए रकम के लिए एक जैसी रणनीति नहीं अपनाई जानी चाहिए। दो-तीन साल में किसी लक्ष्य के लिए पैसा चाहिए तो निवेश में जोखिम का स्तर सीमित रखना जरूरी हो सकता है। दूसरी तरफ लंबी अवधि के लक्ष्यों में निवेशक अपनी जोखिम क्षमता के अनुसार बाजार से जुड़े विकल्पों पर विचार कर सकता है। निवेश की शुरुआत केवल रिटर्न की तलाश से नहीं होनी चाहिए। परिवार की आकस्मिक जरूरतों के लिए अलग रकम रखनी भी वित्तीय योजना का महत्वपूर्ण हिस्सा है। नौकरी में बदलाव, अचानक बड़ा खर्च या अन्य आपात स्थिति में यह फंड आर्थिक दबाव कम कर सकता है।

रिटायरमेंट आमतौर पर सबसे लंबे वित्तीय लक्ष्यों में शामिल होता है। यदि इसकी तैयारी नौकरी के शुरुआती वर्षों में शुरू कर दी जाए तो लंबे समय का फायदा मिलता है। यहां भी सिर्फ आज के खर्च को आधार बनाना पर्याप्त नहीं है। भविष्य की महंगाई और रिटायरमेंट के बाद कितने वर्षों तक रकम की जरूरत होगी, इसका अनुमान लगाना चाहिए।

10 साल में बनाया जा सकता है बड़ा लक्ष्य

नौकरी या कारोबार शुरू करने के शुरुआती वर्षों में आय भले ही सीमित हो, लेकिन इसी समय नियमित निवेश की आदत विकसित करना फायदेमंद हो सकता है। शुरुआत छोटी SIP से की जा सकती है और आय बढ़ने के साथ निवेश की रकम भी बढ़ाई जा सकती है। 10 साल बाद घर की डाउन पेमेंट, उच्च शिक्षा या अन्य बड़े खर्च के लिए रकम जुटाने में तो आज से ही अनुमान लगाना चाहिए कि भविष्य में कितने पैसे की जरूरत होगी।

20 साल में बढ़ाया जा सकता है निवेश

लंबी नौकरी अवधि में आमतौर पर आय में बदलाव की संभावना रहती है। वेतन बढ़ने या अतिरिक्त आय होने पर निवेश को भी उसी अनुपात में बढ़ाने की कोशिश की जा सकती है। इसे नियमित एसआईपी साथ अतिरिक्त निवेश के जरिए भी किया जा सकता है। लंबी अवधि में बाजार में तेजी और गिरावट दोनों देखने को मिल सकती है। इसलिए निवेशक को केवल थोड़े समय के उतार-चढ़ाव को देखकर अपना लंबी अवधि का लक्ष्य बदलने से बचना चाहिए।

पूरा पैसा एक जगह लगाने से बचें
निवेश पोर्टफोलियो में अलग-अलग परिसंपत्ति वर्गों का संतुलन जोखिम को समझने में मदद करता है। दिए गए उदाहरण में इक्विटी, डेट और गोल्ड जैसे विकल्पों का मिश्रण दिखाया गया है। लेकिन हर व्यक्ति के लिए इनका अनुपात समान नहीं हो सकता। निवेश का वितरण व्यक्ति की उम्र, आय, वित्तीय लक्ष्य, समयवधि और जोखिम सहने की क्षमता के आधार पर तय होना चाहिए। लक्ष्य करीब आने पर जोखिम वाले निवेश का अनुपात कम करने की जरूरत भी पड़ सकती है। लंबी अवधि का निवेश लक्ष्य के मुताबिक आगे बढ़ रहा है या नहीं।

निवेश के 6 जरूरी मंत्र

- जल्दी शुरुआत करें : कम उम्र में निवेश शुरू करने से लंबी अवधि का फायदा मिलेगा।
- लक्ष्य तय करें : घर, शिक्षा, रिटायरमेंट जैसे हर लक्ष्य के लिए समयवधि तय करें।
- एसआईपी को नियमित रखें : छोटी रकम से शुरुआत करके आय बढ़ने के साथ निवेश बढ़ाया जा सकता है।
- चक्रवृद्धि का लाभ लें : लंबे समय तक निवेश रहने पर रिटर्न पर भी रिटर्न मिलने का असर बढ़ता है।
- पोर्टफोलियो में विविधता रखें : इक्विटी, डेट, गोल्ड आदि में जोखिम क्षमता के अनुसार संतुलन बनाया जा सकता है।
- समय-समय पर समीक्षा करें : आय, उम्र, लक्ष्य और जोखिम क्षमता बदलने पर निवेश योजना में भी बदलाव करें।
- निवेश से पहले जरूर देखें
- कितने समय के लिए पैसा लगाना है?
- लक्ष्य के लिए कितनी रकम चाहिए?
- जोखिम उठाने की क्षमता कितनी है?
- आपातकालीन फंड तैयार है या नहीं?
- निवेश की समय-समय पर समीक्षा हो रही है?



महिलाओं और छोटे शहरों ने बदला म्यूचुअल फंड का ट्रेंड

■ बी-30 शहरों के म्यूचुअल फंड निवेश में इक्विटी की हिस्सेदारी 65.9%

■ महिलाओं के पोर्टफोलियो में भी 5 साल में 40% से बढ़कर 65% हुआ हिस्सा

समझदारी
बिजनेस डेस्क

भारत में म्यूचुअल फंड निवेश का नक्शा तेजी से बदल रहा है। कभी इक्विटी म्यूचुअल फंड को बड़े शहरों और शेयर बाजार की अच्छी समझ रखने वाले निवेशकों का क्षेत्र माना जाता था, लेकिन अब तस्वीर बदल रही है। महिलाएं और छोटे शहरों-कस्बों के निवेशक तेजी से इक्विटी म्यूचुअल फंड की ओर बढ़ रहे हैं। इससे न केवल म्यूचुअल फंड उद्योग का आकार बढ़ रहा है, बल्कि देश में निवेश की आदतों में भी बड़ा बदलाव दिखाई दे रहा है। आंकड़ों के मुताबिक, महिला निवेशकों के म्यूचुअल फंड पोर्टफोलियो में इक्विटी की हिस्सेदारी मार्च 2020 में करीब 40% थी, जो मार्च 2025 में बढ़कर 65% हो गई। यानी पांच साल में महिलाओं के पोर्टफोलियो में इक्विटी का हिस्सा 25 प्रतिशत अंक बढ़ा। इसी अवधि में पूरे म्यूचुअल फंड उद्योग के एयूएम में इक्विटी की हिस्सेदारी 27% से बढ़कर 45% हुई। इसका मतलब यह नहीं है कि हर महिला निवेशक अब आकामक तरीके से शेयर बाजार में पैसा लगा रही है। इसका बड़ा संकेत यह है कि महिला निवेशकों के बीच इक्विटी को लंबे समय के निवेश के एक विकल्प के तौर पर स्वीकार्यता बढ़ी है। यह बदलाव वित्तीय निर्णयों में महिलाओं की बढ़ती भागीदारी की ओर भी इशारा करता है।

छोटे शहरों में इक्विटी का बढ़ता भरोसा
निवेश के इस बदलते ट्रेंड का दूसरा बड़ा पहलू बी-30 यानी टॉप-30 शहरों के बाहर के शहरों और कस्बों से जुड़ा है। जुलाई 2026 तक B30 लोकेशंस के म्यूचुअल फंड एयूएम में इक्विटी-ओरिएंटेड स्कीम्स की हिस्सेदारी 65.9% रही। इसके मुकाबले टी-30 यानी बड़े शहरों में यह हिस्सा 39.8% था। यह आंकड़ा खासा महत्वपूर्ण है। इसका अर्थ है कि छोटे शहरों में म्यूचुअल फंड निवेशकों के बीच इक्विटी आधारित योजनाओं की पैठ बढ़ी है। हालांकि कुल म्यूचुअल फंड एयूएम में टी-30 शहरों का योगदान अभी भी बड़ा है, लेकिन बी-30 में इक्विटी की ऊंची हिस्सेदारी बताती है कि म्यूचुअल फंड उद्योग का विस्तार अब महानगरों से आगे निकल रहा है। डिजिटल निवेश प्लेटफॉर्म, ऑनलाइन केवाईसी, मोबाइल आधारित निवेश और एसआईपी जैसे आसान विकल्पों ने छोटे शहरों के निवेशकों के लिए म्यूचुअल फंड तक पहुंच आसान की है। पहले निवेश के लिए बैंक शाखा या वित्तीय सलाहकार पर निर्भरता ज्यादा थी।

रिटर्न देखकर निवेश का फैसला न करें
इक्विटी म्यूचुअल फंड में बढ़ती भागीदारी उत्साहजनक आंकड़ा हो सकती है, लेकिन निवेशकों के लिए निवेश का अर्थ यह नहीं है कि इक्विटी में पैसा लगाना हर व्यक्ति के लिए उपयुक्त है। इक्विटी में बाजार जोखिम होता है और रिटर्न निश्चित नहीं होता। 31 अगस्त 2026 तक पांच साल की अवधि में निपटी 50 टीआरआई का सीपसीआर 8.32% रहा, जबकि इक्विटी फंड कैटेगरी का औसत रिटर्न 12.84% रहा। लेकिन यह पिछले प्रदर्शन का आंकड़ा है, भविष्य के रिटर्न की गारंटी नहीं।

एयूएम गिरा, फिर भी निवेशक जुड़े रहे

फरवरी से मार्च 2026 के बीच भी इक्विटी एयूएम 35.4 लाख करोड़ से घटकर 32 लाख करोड़ रुपये हुआ, लेकिन फोलियो में बढ़ोतरी जारी रही। इसका एक कारण यह भी है कि बाजार में गिरावट आने पर एयूएम शेरों और अन्य इक्विटी परिसंपत्तियों के बाजार मूल्य में कमी से घट सकता है। इसका अर्थ यह जरूरी नहीं कि उनकी ही मात्रा में निवेशकों ने पैसा निकाल लिया हो। यही अंतर नए निवेशकों को समझना चाहिए। म्यूचुअल फंड का एयूएम बढ़ना हमेशा केवल नए पैसे आने का परिणाम नहीं होता और एयूएम घटना हमेशा बड़े पैमाने पर निकालों का संकेत नहीं होता। बाजार की चाल भी इसमें महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है।

एसआईपी में बढ़ता पैसा, स्मॉल कैप में तेजी निवेशकों के लिए खतरे की घंटी या अवसर?

सावधानी
बिजनेस डेस्क

भारतीय निवेश बाजार में एसआईपी पर भरोसा लगातार मजबूत हो रहा है। अगस्त 2026 में निवेशकों ने म्यूचुअल फंडों में एसआईपी के जरिए रिकॉर्ड 32,297 करोड़ रुपये लगाए। साथ ही योगदान करने वाले एसआईपी खातों की संख्या भी 10 करोड़ के पार पहुंच गई। दूसरी ओर, स्मॉल कैप फंडों में अगस्त के दौरान 7,973 करोड़ का निवेश आया। मिडकैप फंडों में भी करीब 6,989 करोड़ रुपये का प्रवाह रहा। यानी निवेशकों की दिलचस्पी ज्यादा जोखिम वाली इक्विटी श्रेणियों में भी बनी हुई है। यह आंकड़ा देखकर पहला सवाल स्वाभाविक है। क्या स्मॉल कैप में इतनी तेजी और निवेश का बढ़ता प्रवाह बाजार में जरूरत से ज्यादा उत्साह का संकेत है? इसका सीधा जवाब हां या नहीं में देना सही नहीं होगा। रिकॉर्ड एसआईपी निवेश को अपने-आप में खतरे की घंटी नहीं माना जा सकता। एसआईपी निवेश का मतलब यह भी है कि लोग नियमित रूप से बाजार में पैसा लगा रहे हैं और बाजार के उतार-चढ़ाव को समय के साथ ओसत करने की कोशिश कर रहे हैं। एएमएफआई भी एसआईपी को नियमित और अनुशासित निवेश की पद्धति बताता है।

सवाल स्मॉल कैप नहीं, सही अनुपात

स्मॉल कैप कंपनियां बाजार पूंजीकरण के लिहाज से छोटी कंपनियां होती हैं। इनमें भविष्य में तेजी से बढ़ने की क्षमता हो सकती है, लेकिन इनके शेयरों में उतार-चढ़ाव भी बड़े हो सकते हैं। इसलिए स्मॉल कैप फंड में निवेश का सवाल केवल यह नहीं है कि अभी इसमें पैसा जा रहा है या नहीं। सवाल यह है कि निवेशक के पूरे पोर्टफोलियो में इसका



हिस्सा कितना है। मान लीजिए कोई व्यक्ति हर महीने 10,000 रुपये की एसआईपी करता है। यदि वह पूरी रकम केवल स्मॉल कैप फंड में एसआईपी करता है, तो उसका पोर्टफोलियो बाजार की तेज गिरावट के समय ज्यादा उतार-चढ़ाव देख सकता है। इसके विपरीत, वही निवेशक अपने लक्ष्य, निवेश अवधि और जोखिम क्षमता के अनुसार लार्ज कैप, मल्टीसेक्टर कैप, मिड कैप, स्मॉल कैप, या हाइब्रिड श्रेणियों का संतुलन बनाता है तो जोखिम को अलग तरीके से संभाला जा सकता है।

एसआईपी का रिकॉर्ड निवेशकों को क्या बताता है?

अगस्त में एसआईपी योगदान 32,297 करोड़ रुपये रहा, जो अब तक का रिकॉर्ड है। जुलाई में यह 31,961 करोड़ रुपये और जून में 31,781 करोड़ था। यानी लगातार तीन महीनों से एसआईपी प्रवाह 31 हजार करोड़ से ऊपर रहा। अगस्त तक वित्त वर्ष 2026-27 में एसआईपी के जरिए 1.58 लाख करोड़ से ज्यादा जमा हो चुके थे। आंकड़े बताते हैं कि निवेशकों का एक बड़ा वर्ग बाजार की रोजाना चाल के बजाय नियमित निवेश पर भरोसा कर रहा है। लेकिन यहां भी सावधानी जरूरी है। एसआईपी बाजार में नुकसान से सुरक्षा की गारंटी नहीं देता। जिस फंड में एसआईपी चल रही है उसका मूल्य गिरता है, तो निवेशक के निवेश का मूल्य भी घट सकता है। लंबे समय में नियमित निवेश का

फायदा बाजार के अलग-अलग स्तरों पर यूनित खरीदने से हो सकता है, लेकिन इसके लिए पर्याप्त समय और अनुशासन जरूरी है।

तेजी देखकर एसआईपी बढ़ाना जरूरी नहीं

स्मॉल कैप फंडों में लगातार पैसा आने से कई निवेशकों को यह लग सकता है कि अभी ज्यादा रकम लगाने का सही समय है। यही वह जगह है जहां निवेशक को सावधान होना चाहिए। पिछला प्रदर्शन भविष्य के रिटर्न की गारंटी नहीं है। अगर किसी श्रेणी ने कुछ समय में अच्छा प्रदर्शन किया है तो केवल उसी आधार पर उसमें निवेश का हिस्सा बढ़ाना जरूरी नहीं। निवेश का फैसला लक्ष्य और जोखिम क्षमता के आधार पर होना चाहिए। अगर किसी निवेशक का लक्ष्य 15-20 साल दूर है और वह बाजार में बड़ी गिरावट सहने की क्षमता रखता है तो उसके लिए इक्विटी में ज्यादा हिस्सा अलग हो सकता है। लेकिन कुछ साल में घर, बच्चों की पढ़ाई या किसी अन्य बड़े खर्च के लिए पैसा चाहिए तो अत्यधिक अस्थिर श्रेणी में बड़ा निवेश जोखिम बढ़ा सकता है।

नए निवेशक सबसे बड़ी गलती कहां करते हैं?

तेजी के समय निवेशक अक्सर रिटर्न देखकर फंड चुनते हैं। किसी स्मॉल कैप फंड ने पिछले कुछ वर्षों में अच्छा प्रदर्शन किया तो उसमें एसआईपी शुरू कर दी। फिर बाजार गिरने पर घबराकर एसआईपी बंद कर दी। इससे एसआईपी की मूल भावना ही कमजोर हो जाती है। दूसरी गलती है एक ही श्रेणी के कई फंड खरीद लेना। पांच अलग-अलग स्मॉल कैप फंड रखने का मतलब जरूरी नहीं कि पोर्टफोलियो ज्यादा विविध हो गया। कई फंडों के पोर्टफोलियो में समान कंपनियां हो सकती हैं। तीसरी गलती है बाजार की तेजी में एसआईपी की रकम अचानक बहुत ज्यादा बढ़ा देना। एसआईपी की रकम बढ़ाने का फैसला आमदनी, वित्तीय लक्ष्य और जोखिम क्षमता में बदलाव के आधार पर होना चाहिए, केवल बाजार की तेजी देखकर नहीं।



ऐसा करना कई बार बन जाता है कर्ज का बोझ बढ़ाने की शुरुआत
कम होती बचत, बढ़ते ब्याज और डिफॉल्ट के जोखिम का खतरा

पुराना कर्ज चुकाने के लिए नया लोन लेने की आदत खतरनाक

अलर्ट
बिजनेस डेस्क

महीने की शुरुआत में सैलरी आती है और कुछ ही दिनों में उसका बड़ा हिस्सा ईएमआई में चला जाता है। फिर महीने के अंत में किसी जरूरी खर्च के लिए पैसे कम पड़ते हैं। ऐसे में क्रेडिट कार्ड, पर्सनल लोन या किसी डिजिटल लोन एप से रकम लेकर पुरानी ईएमआई चुका देना आसान रास्ता लगता है। समस्या तब शुरू होती है, जब यह तरीका एक बार की मजदूरी से निकलकर हर महीने की आदत बन जाता है। एक कर्ज चुकाने के लिए दूसरा कर्ज लेना व्यक्ति को कर्ज से बाहर नहीं निकालता, बल्कि कई मामलों में उसे और गहरे कर्ज में धकेल सकता है। पुरानी ईएमआई चुकाने के लिए नया लोन लेने पर तत्काल भुगतान तो हो जाता है, लेकिन नई देनदारी भी जुड़ जाती है। अगले महीने पुरानी ईएमआई के साथ नए लोन की ईएमआई या क्रेडिट कार्ड का भुगतान भी करना पड़ता है।

एक से कई ईएमआई तक पहुंचता है मानला

इसे आसान उदाहरण से समझें। किसी व्यक्ति की मासिक आय 50 हजार रुपये है और उसकी मौजूदा ईएमआई 15 हजार रुपये है। महीने के जरूरी खर्चों के बाद उसके पास बहुत कम रकम बचती है। किसी महीने अचानक 8-10 हजार रुपये की जरूरत पड़ गई और उसने क्रेडिट कार्ड या नया पर्सनल लोन लेकर पुरानी ईएमआई भर दी। उस महीने समस्या टल गई, लेकिन अगले महीने उसकी स्थिति पहले से खराब हो गई। अब उसे पुरानी ईएमआई के साथ नए कर्ज की किस्त भी चुकानी है। यदि फिर ऐसे कम पड़े और उसने तीसरी जगह से कर्ज ले लिया तो देनदारी का यह सिलसिला चलता रहता है। यही स्थिति धीरे-धीरे डेट ट्रेप का रूप ले सकती है। जहां व्यक्ति की आय का बड़ा हिस्सा पुराने कर्ज की किस्तें चुकाने में चला जाता है और रोजमर्रा के खर्च के लिए उसे फिर उधार लेना पड़ता है।

एक से कई ईएमआई तक पहुंचता है मानला

इसे आसान उदाहरण से समझें। किसी व्यक्ति की मासिक आय 50 हजार रुपये है और उसकी मौजूदा ईएमआई 15 हजार रुपये है। महीने के जरूरी खर्चों के बाद उसके पास बहुत कम रकम बचती है। किसी महीने अचानक 8-10 हजार रुपये की जरूरत पड़ गई और उसने क्रेडिट कार्ड या नया पर्सनल लोन लेकर पुरानी ईएमआई भर दी। उस महीने समस्या टल गई, लेकिन अगले महीने उसकी स्थिति पहले से खराब हो गई। अब उसे पुरानी ईएमआई के साथ नए कर्ज की किस्त भी चुकानी है। यदि फिर ऐसे कम पड़े और उसने तीसरी जगह से कर्ज ले लिया तो देनदारी का यह सिलसिला चलता रहता है। यही स्थिति धीरे-धीरे डेट ट्रेप का रूप ले सकती है। जहां व्यक्ति की आय का बड़ा हिस्सा पुराने कर्ज की किस्तें चुकाने में चला जाता है और रोजमर्रा के खर्च के लिए उसे फिर उधार लेना पड़ता है।



असली खतरा ब्याज के साथ बढ़ता बोझ है

नया लोन लेने में सिर्फ मूल रकम नहीं चुकानी होती। उसके साथ ब्याज और कई मामलों में अन्य शुल्क भी जुड़े होते हैं। खासकर क्रेडिट कार्ड के बकाया को लंबे समय तक चुकाने पर लागत काफी बढ़ सकती है। यानी 10 हजार रुपये की कमी पैरल करने के लिए लिया गया कर्ज केवल 10 हजार रुपये की देनदारी नहीं रहता। ब्याज और शुल्क के कारण भविष्य में भुगतान इससे ज्यादा हो सकता है।

परिवार के बजट पर असर

ईएमआई बढ़ने का सीधा असर मासिक बजट पर पड़ता है। किराना, बिजली-पानी, बच्चों की पढ़ाई, स्वास्थ्य, यात्रा और दूसरे जरूरी खर्चों के लिए उपलब्ध रकम कम होने लगती है। इसके बाद बचत प्रभावित होती है। पहले व्यक्ति निवेश के लिए पैसा निकालना बंद करता है, फिर आपातकालीन फंड का इस्तेमाल कर सकता है और अंततः छोटी-छोटी जरूरतों की भी क्रेडिट कार्ड या लोन का सहारा लेना शुरू कर सकता है।

बचत और निवेश भी रुक जाते हैं

मान लीजिए किसी व्यक्ति को हर महीने 5 हजार रुपये एसआईपी में निवेश करने थे। लेकिन लगातार बढ़ती ईएमआई के कारण वह एसआईपी बंद कर देता है। दूसरी तरफ, कर्ज पर ब्याज का भुगतान जारी रहता है। लंबी अवधि में इसका असर बड़ा हो सकता है। निवेश बंद होने से भविष्य के लक्ष्य प्रभावित होते हैं और कर्ज की लागत अलग से बढ़ती रहती है। इसलिए किसी व्यक्ति की वित्तीय स्थिति को केवल यह देखकर नहीं समझा जा

कैसे पहचानें कि आप डेट ट्रेप की ओर बढ़ रहे हैं?

- पहला, महीने की ईएमआई चुकाने के लिए बार-बार नया कर्ज लेना।
- दूसरा, क्रेडिट कार्ड का पूरा बिल चुकाने के बजाय लगातार न्यू, भुगतान करके ना।
- तीसरा, सैलरी आने के कुछ दिनों में ही बैंक खाते में बहुत कम रकम बचाना।
- चौथा, बचत और निवेश लगातार बंद करना ताकि ईएमआई चुकाई जा सके।
- 5वां, एक साथ कई लोन की ईएमआई चलना और हर माह किस्त की चिंता रहना।

डेट ट्रेप से निकलने का पहला कदम क्या हो?

सबसे पहले नए कर्ज से समस्या को दकना बंद करना जरूरी है। इसके बाद सभी कर्ज की सूची बनाएं। कितना मूलधन बाकी है, ब्याज दंड कितनी है, ईएमआई कितनी है और कितने महीने बाकी है। इसके बाद गैर-जरूरी खर्चों को अस्थायी रूप से कम करके उपलब्ध रकम का इस्तेमाल महंगे कर्ज को कम करने में किया जा सकता है। यदि कई कर्ज हैं तो उनकी ब्याज दर और बतों की तुलना करके पुनर्गठन या उचित समेकन के विकल्पों पर बंद या योग्य वित्तीय सलाहकार से बात की जा सकती है।

खबर संक्षेप



राजकीय महाविद्यालय में प्रतिभा खोज कार्यक्रम

नारनौल। इंदिरा गांधी विश्वविद्यालय मीरपुर रेवाड़ी के आगामी जौनल यूथ फेस्टिवल में विद्यार्थियों की अधिकाधिक व उत्कृष्ट सहभागिता सुनिश्चित करने के उद्देश्य से राजकीय महाविद्यालय में प्रतिभा खोज कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जिसका मुख्य उद्देश्य महाविद्यालय के विद्यार्थियों की छिपी हुई प्रतिभाओं को पहचानना, उन्हें उचित मंच प्रदान करना तथा विभिन्न सांस्कृतिक एवं रचनात्मक विधाओं में उनकी प्रतिभा को निखारना रहा। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि महाविद्यालय प्राचार्य प्रो. कृष्ण कुमार रहे। इस अवसर पर डॉ. नरेश कुमार यादव ने मुख्य अतिथि का स्वागत किया। डॉ. हवासिंह यादव ने कार्यक्रम के सफल आयोजन के लिए उपस्थित अतिथियों, शिक्षकगण व विद्यार्थियों का धन्यवाद किया।



गांव माजरा कलां में बेटी के जन्म पर कुआं पूजन

महेंद्रगढ़। गांव माजरा कलां में बेटी के जन्म की खुशी में कुआं पूजन समारोह का आयोजन किया गया। इस दौरान परिवार के सदस्यों और रिश्तेदारों ने नवजात बेटी को आशीर्वाद दिया तथा एक-दूसरे को मिठाई खिलाकर खुशी का इजहार किया। बेटी के पिता कृष्ण और माता प्रियंका ने कहा कि उनके लिए यह बेहद खुशी का अवसर है कि उनके घर संतान के रूप में बेटी ने जन्म लिया है। बच्ची के दादा सत्यनारायण ने कहा कि उनके लिए बेटा और बेटी में कोई फर्क नहीं है। उन्होंने कहा कि बेटियां आज हर क्षेत्र में आगे बढ़ रही हैं और परिवार में बेटा-बेटी दोनों को समान प्यार, सम्मान और अवसर मिलना चाहिए। उन्होंने बेटी के जन्म को परिवार के लिए खुशी और सौभाग्य का अवसर बताया। महिला एवं बाल विकास विभाग की आंगनबाड़ी कार्यकर्ता ने परिवार को सम्मानित किया और नवजात बच्ची के स्वस्थ एवं उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं दीं।

100 बीघा भूमि पर बनेगी गोशाला

हरिभूमि न्यूज़ ►► नारनौल

खेतड़ी (राजस्थान) के निकट सागड़ की ढाणी में करीब 100 बीघा भूमि पर बनने वाली विशाल गोशाला के निर्माण कार्य का शिलान्यास कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में विधायक ओमप्रकाश यादव मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए। उन्होंने गोशाला निर्माण के इस पुनीत कार्य में सहभागिता करते हुए गोसेवा के प्रति समर्पण को सराहनीय बताया। कार्यक्रम में प्रसिद्ध समाजसेवी मताजी जांगड़ा भी विशेष रूप से मौजूद रहे। इस दौरान गोसेवा से जुड़े कार्यकर्ताओं एवं ग्रामीणों ने अतिथियों का स्वागत किया। विधायक ओमप्रकाश यादव ने कहा कि गोसेवा भारतीय संस्कृति और

रोटरी क्लब सिटी व बेल्लास का अधिष्ठापन समारोह सत्पन्न गोपाल मित्तल और डॉ. उषा यादव ने संभाला अध्यक्ष पद



हरिभूमि न्यूज़ ►► नारनौल

रोटरी क्लब सिटी एवं रोटरी क्लब बेल्लाज का संयुक्त अधिष्ठापन समारोह वीरवार शाम को सीएल फार्मस में सम्पन्न हुआ। जिसका संचालन पूर्व प्रधान संजय गर्ग व हितेंद्र मित्तल ने किया। समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में रोटरी डिस्ट्रिक्ट गवर्नर रोटेरियन सीए अजीत जालान उपस्थित रहे, जबकि विशिष्ट अतिथि अस्मिस्टेंट गवर्नर रोटेरियन नरेश गोगिया व विजय हॉस्पिटल से डॉ. विनीत यादव, इंस्टालेशन चेयर रजत अग्रवाल मौजूद रहे। कार्यक्रम के शुभारंभ पर डिस्ट्रिक्ट गवर्नर सीए अजीत जालान ने दोनों क्लबों के बोर्ड ऑफ डायरेक्टर्स के साथ बैठक कर उन्हें रोटरी के समाज के प्रति दूरदर्शी संकल्पों एवं मुख्य उद्देश्यों से अवगत करवाया। इस दौरान क्लब से जुड़े नए सदस्यों को डीजी जालान ने सदस्यता पिन लगाकर विधिवत सदस्यता ग्रहण करवाई।



नारनौल। समारोह में अतिथिगण को स्मृति चिह्न भेंट करते हुए।

फोटो: हरिभूमि

मोबाइल किचन अन्नपूर्णा रथ का अनावरण

समारोह का मुख्य आकर्षण मोबाइल किचन अन्नपूर्णा रथ का अनावरण रहा। हैदराबाद की शिव नारायण फाउंडेशन के कमल किशोर अग्रवाल की ओर से रोटरी क्लब सिटी को यह मोबाइल किचन भेंट की गई। फाउंडेशन की ओर से संदीप संधी ने अन्नपूर्णा रथ का अनावरण करते हुए कहा कि रोटरी क्लब द्वारा लंबे समय से रोटरी रसोई के माध्यम से जरूरतमंदों को मात्र 10 रुपये में पोष्टिक भोजन उपलब्ध करवाया जा रहा है और अब इस मोबाइल किचन के माध्यम से शहर के अन्य इलाकों में भी सेवा का विस्तार किया जा सकेगा। डिस्ट्रिक्ट गवर्नर सीए अजीत जालान ने कहा कि नारनौल जैसे क्षेत्र में आपक क्लब द्वारा किए जा रहे कार्य निर्विवाद रूप से सराहनीय हैं। रोटरी रसोई, डायलिसिस सेंटर, मोक्ष वाहन, वाटर हट जैसी अनेक सुविधाएं क्षेत्र के लोगों को क्लब द्वारा मुहैया करवाई जा रही हैं, इसके लिए क्लब के समस्त पदाधिकारी एवं सदस्य बधाई के पात्र हैं।

मुख्य समारोह में निवर्तमान प्रधान राजकुमार चौधरी ने नवनियुक्त प्रधान गोपाल मित्तल के साथ पिन एक्सचेंज कर उन्हें पदभार सौंपा तथा बेल्लाज की निवर्तमान अध्यक्ष निर्मल जितल ने नवनियुक्त अध्यक्ष डॉ. उषा यादव से पिन एक्सचेंज कर उन्हें अध्यक्ष पद की बधाई दी। वहीं विवेक अग्रवाल को सचिव तथा विनय मित्तल को नारनौल सिटी के कोषाध्यक्ष के लिए चुना गया और बेल्लाज के

सचिव पद के लिए गीतांजलि चौधरी व कोषाध्यक्ष के लिए महक शुक्ला को जिम्मेदारी सौंपी गई। निवर्तमान प्रधान राजकुमार चौधरी ने अपने कार्यकाल के दौरान सहयोग करने वाले सभी साथियों को सम्मानित कर उनका आभार व्यक्त किया, वहीं निर्मल जितल ने अपनी महिला कार्यकारिणी का आभार जताया। नवनियुक्त प्रधान गोपाल मित्तल रोटरी क्लब सिटी और डॉ.

श्रीकृष्णा स्कूल में राज्य स्तरीय विजेता खिलाड़ियों का सम्मान

हरिभूमि न्यूज़ ►► महेन्द्रगढ़

श्रीकृष्णा स्कूल में आयोजित सम्मान समारोह के दौरान बाक्सिंग और कराटे खेलों में शानदार प्रदर्शन करने वाले प्रतिभावान खिलाड़ियों को सम्मानित किया गया। 59वीं राज्य स्तरीय स्कूली खेल प्रतिस्पर्धा में द्वितीय और तृतीय स्थान प्राप्त कर इन खिलाड़ियों ने स्कूल के साथ-साथ पूरे क्षेत्र का नाम गौरवान्वित किया है। समारोह में मुख्य अतिथि चेयरमैन डॉ. बीरसिंह यादव व अध्यक्षता प्राचार्य रवि प्रकाश ने की। मुख्य खेल प्रशिक्षक महिपाल यादव ने बताया कि 59वीं राज्य स्तरीय स्कूली बाक्सिंग खेल प्रतिस्पर्धा वही 16 से 18 सितंबर तक कैथल के आरकेएसडी स्कूल स्टेडियम में आयोजित की गई थी, जिसमें छात्रा संजना ने अंडर-17 आयु वर्ग में



महेन्द्रगढ़। विजेताओं को मेडल पहनाकर सम्मानित करते हुए।

फोटो: हरिभूमि

तीसरा स्थान हासिल किया। वहीं, 21 से 23 सितंबर तक यदुवंशी स्कूल में आयोजित कराटे खेल प्रतिस्पर्धा में खुशी ने अंडर-19 आयु वर्ग में दूसरा स्थान प्राप्त कर रजत पदक पर कब्जा जमाया। चेयरमैन डा. बीरसिंह यादव ने कहा कि खेल हमारे जीवन में अनुशासन, टीम भावना और कठिन परिस्थितियों से

लड़ने का हौसला पैदा करते हैं। संजना और खुशी ने राज्य स्तर पर जो सफलता हासिल की है, वह उनकी कड़ी मेहनत और दृढ़ संकल्प का परिणाम है। सीईओ कर्मवीर राव और डा. कविता राव ने कहा कि बेटियों की यह ऐतिहासिक सफलता आज की युवा पीढ़ी के लिए प्रेरणास्रोत है। प्राचार्य रवि

प्रकाश ने कहा कि किसी भी खिलाड़ी की सफलता के पीछे उसके खेल प्रशिक्षक का मार्गदर्शन और खिलाड़ी का समर्पण होता है। कबड्डी कोच उत्तम सिंह, एथलेटिक्स कोच वीरेंद्र कुमार, योगा कोच गीता, शौलूलान डीपीई सहित अन्य शिक्षक, खेल प्रशिक्षक और छात्र-छात्राएं मौजूद रहे।

पेंटिंग प्रतियोगिता में आरआरसीएम विद्यालय का रहा शानदार प्रदर्शन



चेयरमैन रोशन लाल ने बच्चों को मेडल पहनाकर बधाई दी

हरिभूमि न्यूज़ ►► कनीना

राजकीय वरिष्ठ मॉडल संस्कृति विद्यालय नारनौल में जिला स्तरीय सेवा संकल्प विकसित भारत पेंटिंग प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इस प्रतियोगिता में जिले के सभी खंड के प्रथम, द्वितीय व तृतीय स्थान प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों ने हिस्सा लिया। इस प्रतियोगिता में आरआरसीएम विद्यालय के कक्षा 10वीं के वंश पुत्र नरेश कुमार ने तृतीय स्थान प्राप्त किया और कक्षा



महेन्द्रगढ़। बच्चों को सम्मानित करते हुए।

फोटो: हरिभूमि

आठवीं से यशवी पुत्री मनोज कुमार ने पेंटिंग प्रतियोगिता में बेहतरीन प्रदर्शन पर सांत्वना पुरस्कार प्राप्त किया। चेयरमैन रोशन लाल ने बच्चों को मेडल पहनाकर बधाई दी और आगे भी इसी तरह से आगे

बढ़ने के लिए प्रेरित किया। इस अवसर पर निदेशक विपुल राव, प्रधानाचार्य हरिप्रकाश शर्मा और चित्रकला अध्यापिका शीतल यादव के साथ सभी शिक्षक व स्टाफ उपस्थित रहे।

जिला स्तरीय प्रतियोगिता में अटेली स्कूल की नंदिनी ने मारी बाजी

हरिभूमि न्यूज़ ►► नारनौल

राजकीय मॉडल संस्कृति वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय अटेली कक्षा छठी की होनहार छात्रा नंदिनी पुत्री हरिश चंद्र ने सेवा संकल्प अभियान के अंतर्गत आयोजित जिला स्तरीय भाषण प्रतियोगिता में प्रथम स्थान प्राप्त कर विद्यालय एवं क्षेत्र का नाम रोशन किया। हिन्दी प्रवक्ता भार्गव कुमार ने बताया की नंदिनी इससे पूर्व हिंदी पखवाड़ा की जिला स्तरीय प्रतियोगिता तथा अससीआरटी हरियाणा द्वारा आयोजित वाद-विवाद प्रतियोगिता में भी प्रथम स्थान प्राप्त कर चुकी है। उन्होंने बताया की विद्यालय की स्किट टीम



नारनौल। विजेता छात्रा को सम्मानित करते हुए।

फोटो: हरिभूमि

ने भी जिला स्तरीय प्रतियोगिता में प्रथम स्थान प्राप्त किया। इसी प्रकार कक्षा आठवीं की छात्रा अनीषा ने हिंदी पखवाड़ा में दृश्य घटना वर्णन प्रतियोगिता में प्रथम तथा कक्षा छठी की छात्रा विधि ने जिला स्तरीय वाद-विवाद प्रतियोगिता में प्रथम स्थान प्राप्त कर विद्यालय का गौरव बढ़ाया। विद्यालय प्राचार्य दिनेश

कुमार, विद्यालय प्रभारी कुलदीप कुमार व अध्यापकों ने विजेता विद्यार्थियों को सम्मानित किया गया। मौके पर सुरेंद्र कुमार, मनु, कर्जेन्द्र, रामगोपाल, विक्रम, विजयपाल, नरेंद्र, अरविंद, जितेंद्र, कुलदीप, पवन, प्रीति, मालता, सुनील, अरविंदरा, प्रवीण, देवीलाल, राहुल यादव आदि उपस्थित रहे।

हरिभूमि न्यूज़ ►► नारनौल

धर्मनगरी नारनौल स्थित श्री 1008 शांतिनाथ दिगंबर जैन मंदिर परिसर में आचार्य अर्जुन सागर महाराज के शिष्य मुनि महत सागर, मुनि विभोर सागर एवं मुनि सानंद सागर महाराज के सानिध्य में चल रहा दशलक्षण महामंडल विधान शुक्रवार को भी श्रद्धा और भक्ति के साथ जारी रहा। कार्यक्रम का निर्देशन पंडित ऋषभ जैन शास्त्री, धिरोर-मैनपुरी ने किया। इस अवसर पर मुनि विभोर सागर महाराज ने उत्तम ब्रह्मचर्य धर्म का मर्म समझाते हुए कहा कि जिसने ब्रह्मचर्य धर्म को धारण कर लिया, उसके जीवन का आध्यात्मिक



नारनौल। कार्यक्रम के दौरान समाज के बच्चे।

फोटो: हरिभूमि

उद्धार निश्चित है। उन्होंने कहा कि प्रत्येक जीव को अपने समान आत्मस्वरूप मानना चाहिए। वास्तविक धर्म वही है, जिसमें व्यक्ति अपनी इच्छाओं और इंद्रियों पर नियंत्रण करना सीखता है। मुनि

सानंद सागर ने कहा कि चीजों को इकट्ठा करने और उनसे मोह रखने की आदत आत्मा के दुखों का सबसे बड़ा कारण है। उन्होंने कहा कि दिगंबर मुनिराज स्वयं भी परम सिद्ध बनने के मार्ग पर अग्रसर रहते हैं

कठिन उपवास करने वाले तपस्वियों का सम्मान

गोपाल जैन ने बताया कि दशलक्षण पर्व के दौरान कठिन उपवास और दत्त रखकर आत्मकल्याण की साधना करने वाले श्रावक-श्राविकाओं के सम्मान में समारोह आयोजित किया गया। इस दौरान तपस्वियों के त्याग, संयम और साधना की अनुमोदना करते हुए जैन समाज ने उनका सम्मान किया। इस मौके पर बरखा जैन, टीना जैन, रेखा जैन, मंजू जैन, अक्षत जैन, भावना जैन, त्रिशा जैन, आरुष जैन, दर्शित जैन, चंदा जैन, मनीषा जैन, आशा जैन, सोनू जैन, प्रीति जैन, मयंक जैन, गवित जैन और ज्योति जैन सहित अन्य श्रद्धालुओं ने दशलक्षण पर्व के दौरान कठिन उपवास रखकर आत्म-संयम और साधना का परिचय दिया।

और साधना के माध्यम से कर्मों का क्षय करते हुए सिद्ध अवस्था प्राप्त करते हैं। मुनिराज ने सरल भाषा में शील और ब्रह्मचर्य धर्म का मर्म समझाते हुए श्रद्धालुओं को अपने आत्मस्वरूप को पहचानने की प्रेरणा दी। जैन समाज के प्रवक्ता सुरेंद्र जैन ने बताया कि दशलक्षण

पर्व दस दिनों तक मनाया जाता है। सुरेंद्र जैन ने बताया कि शुक्रवार को श्री शांतिनाथ दिगंबर जैन अतिथय क्षेत्र नलापुर से भव्य शोभायात्रा निकाली गई। शोभायात्रा पुरानी कचहरी, पुल बाजार, मानक चौक और आजान चौक होते हुए प्रेम गली स्थित महावीर जैन मंदिर पहुंची।

बरामदगी में इस्तेमाल वाहनों को किया काबू

हरिभूमि न्यूज़ ॥ नारनौल

नशे के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत सीआईए महेंद्रगढ़ की टीम ने अलग-अलग स्थानों पर कार्रवाई करते हुए दो मामलों में कुल सात किलो 356 ग्राम डोडा/चूरापोस्त व चूरापोस्त/भुक्की बरामद की है। पुलिस ने दोनों मामलों में चार आरोपितों को गिरफ्तार कर उनके खिलाफ एनडीपीएस एक्ट के तहत केस दर्ज किया है। बरामदगी में इस्तेमाल किए गए कंटेनर और अन्य वाहनों को भी पुलिस ने कब्जे में लिया है। दोनों मामलों में पुलिस की ओर से आगामी जांच की जा रही है।

महेंद्रगढ़ में कंटेनर से 3.030 किलो डोडा/चूरापोस्त व नारनौल में दो आरोपितों से 4.326 किलो भुक्की बरामद नशा तस्करी पर सीआईए की कार्रवाई, 2 मामलों में 7 किलो से अधिक चूरापोस्त बरामद



नारनौल। पुलिस गिरफ्त में आरोपित।



फोटो : हरिभूमि

कंटेनर से 3 किलो 30 ग्राम डोडा बरामद

सीआईए महेंद्रगढ़ की टीम 25 सितंबर को गश्त एवं अपराधों की रोकथाम के लिए क्षेत्र में मौजूद थी। इसी दौरान पुलिस को सूचना मिली कि एक कंटेनर में चालक सुखबिन्द निवासी मछरमपुर, थाना राहो, जिला नवांशहर, पंजाब और परिचालक लखबिन्द निवासी गुरदासपुर, पंजाब डोडा/चूरापोस्त लेकर रेवासा प्लाईओवर से होते हुए कनीना की ओर जाएंगे। सूचना के आधार पर पुलिस टीम ने रेवासा प्लाईओवर महेंद्रगढ़ के पास नाकाबंदी कर वाहनों की जांच शुरू की। कुछ समय बाद पुलिस को सूचना में बताए गए नंबर का कंटेनर आता दिखाई दिया। पुलिस के इशारे पर चालक ने कंटेनर को सड़क किनारे रोक दिया। पृष्ठताछ में चालक ने अपना नाम सुखबिन्द पुत्र अजीत सिंह और परिचालक ने अपना नाम लखबिन्द पुत्र सुरजीत सिंह बताया। इलेक्ट्रॉनिक कंटो से वजन करने पर नशीले पदार्थ का कुल वजन तीन किलो 30 ग्राम पाया गया। पुलिस ने नशीले पदार्थ को कब्जे में लेकर दोनों आरोपितों के खिलाफ थाना शहर महेंद्रगढ़ में एनडीपीएस एक्ट के तहत मामला दर्ज किया। बरामदगी में प्रयुक्त कंटेनर को भी पुलिस ने कब्जे में ले लिया है।

नशे की सूचना पुलिस को दें, पहचान रहेगी गुप्त

पुलिस ने आमजन से अपील की है कि नशे की बिक्री, तस्करी अथवा सेवन से संबंधित कोई भी जानकारी मिलने पर तुरंत पुलिस को दें। नशे से जुड़े व्यक्तियों, स्थानों, वाहनों, फोटो या वीडियो की जानकारी भी पुलिस के साथ साझा की जा सकती है। पुलिस के अनुसार सूचना देने वाले व्यक्ति की पहचान गोपनीय रखी जाएगी। आमजन पुलिस अधीक्षक के मोबाइल नंबर 7027792100, एसआईएस/सुरक्षा शाखा प्रभारी नारनौल के मोबाइल नंबर 7056606138 अथवा आपात स्थिति में डायल 112 पर सूचना दे सकते हैं।

मंढाणा के पास 2 आरोपितों से 4.326 किलो भुक्की मिली

दूसरी कार्रवाई में सीआईए महेंद्रगढ़ की टीम आरपीएस स्कूल के पास गश्त एवं अपराधों की रोकथाम के लिए मौजूद थी। इसी दौरान पुलिस को सूचना मिली कि कुछ व्यक्ति अपने वाहनों में मध्यप्रदेश से चूरापोस्त एवं अन्य नशीले पदार्थ छिपाकर नारनौल के रास्ते पंजाब ले जाते हैं। सूचना के आधार पर पुलिस ने जालौली चौक, मंढाणा के पास नाकाबंदी की। नाकाबंदी के दौरान वाहनों को रोककर चालकों और उनमें सवार व्यक्तियों से पृष्ठताछ की गई। इस दौरान दो व्यक्तियों की पहचान मनजींदर निवासी अमरगढ़, जिला शहीद भगत सिंह नगर, पंजाब तथा राजविंद निवासी अपरा, जिला जालंधर, पंजाब के रूप में हुई।

खबर संक्षेप

आंगनबाड़ी में महिलाओं को किया जागरूक

महेंद्रगढ़। शहर के वार्ड नंबर 13 की आंगनबाड़ी केंद्र में सेवा संकल्प अभियान के तहत दूसरे दिन भी आंगन मिलन सेवा कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में आंगनबाड़ी वर्कर आशा रानी ने आंगनबाड़ी केंद्र के माध्यम से बच्चों, महिलाओं को मिलने वाली विभिन्न सेवाओं और योजनाओं के बारे में जानकारी दी। आशारानी ने कहा कि सेवा संकल्प अभियान का उद्देश्य लोगों को जागरूक कर समाज के अंतिम व्यक्ति तक योजनाओं का लाभ पहुंचाना है। कार्यक्रम के दौरान अभियान को सफल बनाने में सहयोग देने का संकल्प लिया। कार्यक्रम में लीला देवी, सोनू, बिरमानंद सहित अनेक महिलाएं व बच्चे मौजूद रहे।

धौलेड़ा गांव में ट्यूबवेल से 100 फीट केबल चोरी

नारनौल। क्षेत्र में चोरी की वारदातें लगातार सामने आ रही हैं। अब धौलेड़ा गांव में एक किसान के ट्यूबवेल से करीब 100 फीट केबल चोरी होने का मामला आया है। चोरों ने पहले कुएं पर बने कमरे का दरवाजा तोड़ा और इसके बाद मोटर से ट्यूबवेल तक लगी केबल काटकर ले गए। किसान के अनुसार चोरों ने केबल को मौके पर ही छीलकर उसमें से तांबे की तार निकाली और रबड़ वहां छोड़ गए। किसान वेदपाल ने बताया कि वह शनिवार सुबह अपने ट्यूबवेल पर पहुंचा था। उसने देखा कि कुएं पर बने कमरे का दरवाजा टूटा हुआ था। जांच करने पर पता चला कि मोटर से ट्यूबवेल तक लगी करीब 100 फीट लंबी केबल गायब है।

नारनौल में सिद्धार्थ कार्यकर्ताओं से अभिनंदन समारोह के बहाने हुए रूबरू

दक्षिणी हरियाणा में सुधा यादव के बेटे सिद्धार्थ यादव की बड़ी काफी सक्रियता

- पुरानी भाजपा टीम की भी सक्रियता से बदल रहे राजनीति समीकरण
- सिद्धार्थ यादव बोले...युवा राजनीति में आए तो नामदार नहीं, कामदारों के रूप में करें कार्य

सतीश सैनी ॥ नारनौल

मई 1999 में कारगिल युद्ध के दौरान बीएसएफ के डिप्टी कमांडेंट सुखवीर सिंह यादव शहीद हो गए। इसके तुरंत बाद 1999 में लोकसभा चुनाव में शहीद की पत्नी सुधा यादव को भाजपा ने महेंद्रगढ़ लोकसभा क्षेत्र से टिकट दिया। सामने कांग्रेस प्रत्याशी राव इंद्रजीत को 1.39 लाख से अधिक मतों से हराकर सुधा यादव ने यह सीट जीती। संसदीय सफर (1999-2004) के बाद साल 2004 में पुनः महेंद्रगढ़ सीट से चुनाव लड़ा, लेकिन इस बार उन्हें हार का सामना करना पड़ा। परिसीमन के बाद गुरुग्राम लोकसभा से 2009 में फिर चुनाव लड़ा और दूसरी बार भी हार का सामना करना पड़ा। इन दिनों इन्होंने सुधा यादव के बेटे सिद्धार्थ यादव दक्षिणी हरियाणा में सक्रिय दिखाई देने लगे हैं। भाजपा ने सिद्धार्थ यादव को राष्ट्रीय मीडिया सह प्रभारी की जिम्मेदारी सौंपी है।

राजनीति खानदान नहीं, सैनिक परिवार से रखते हैं ताल्लुकात, नहीं आते दांव-पेच



उन्होंने कहा कि वह किसी राजनीति खानदान से नहीं आते हैं। इसलिए हो सकता है मुझे राजनीति दांव पेच कम आते हों। इस इलाके के सैनिक बहादुरों से देश की रक्षा की। मैं भी ऐसे ही एक सामान्य शहीद सैनिक परिवार से आता हूँ। उस वक़्त मैं साढ़े तीन साल का था, जब परिवार को अनुकूल समय में इस राजनीति में उतरना पड़ा था। कुछ लोग कहते हैं कि आपको राजनीति विरासत में मिली है। मैं कहता हूँ कि इमानदारी, बेदग़ा छवि, आपका प्यार, इलाके की आत्मीयता, संगठन के प्रति विश्वनीयता और इसी विरासत को वह कर्म के साथ आगे बढ़ाने का काम कर रहे हैं। जब यह नियुक्ति हुई तो पार्टी के एक वरिष्ठ नेता ने बुलाकर पूछा कि पार्टी ने बड़ी सौच समझकर यह पद दिया है। इलाके में कुछ चर्चा है या नहीं है? आज के इस कार्यक्रम की तस्वीर उनको जाकर दिखाने वाला हूँ। हरियाणा बॉर्डर से लेकर राजस्थान बॉर्डर तक प्यार व सम्मान मिल रहा है। भाजपा ऐसी पार्टी है सबको आगे बढ़ाने का काम करती है। वह संगठन के प्रति सच्चे मन से काम करने वाला हूँ। पार्टी और इस इलाके की भलाई का मिशन मेरे मंत्र है। इसी मंत्र को लेकर वह आगे बढ़ रहे हैं। हमें देश का ऐसा प्रधानमंत्री मिला, जिसकी कल्पना भी हम नहीं कर सकते थे, ऐसे काम करके दिखाए। चाहे मामला 370 हटाने का हो, अयोध्या में राम मंदिर बनाने का हो, गांव गांव बिजली पहुंचाना, एलआईटी बलाब जलाना, पांच लाख का तक हर जरूरतमंद परिवार को मुफ्त इलाज देना, यह सब काम संभव हो पाए हैं। देश का सैन्य उपकरण अब देश के अंदर ही बन रहा है। नारनौल वालों ने भी कल्पना नहीं की थी कि चंडीगढ़ वह महान् चार घंटे में पहुंच सकते हैं, उनके लिए 152डी सड़क तैयार की।

गुरुग्राम व रेवाड़ी के बाद नारनौल में शनिवार अभिनंदन समारोह के बहाने उन्होंने युवाओं की भीड़ एकत्रित कर राजनीति ताकत दिखाई। सीएल फार्म हाउस में हुए इस समारोह में पुराने भाजपाई और संगठन से जुड़े कार्यकर्ता दिखाई दिए। यहां समारोह को संबोधित करते हुए सिद्धार्थ यादव ने कहा कि

जब इस दायित्व की घोषणा हुई तो मिलने वालों ने अभिनंदन कार्यक्रम रखा। पहला गुरुग्राम में था। वहां हजारों में लोग पहुंचे तो दिल्ली में किसी ने पूछा कि इतना बड़ा कार्यक्रम क्यों हुआ। जवाब दिया कि मैं गुरुग्राम में रहता हूँ। बड़ा शहर है। अपने साथी वहां बहुत हैं, इसलिए ऐसा हुआ। कुछ समय बाद यहीं

कामदार वाली राजनीति के रूप में युवा करें कार्य

उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने लालकिला से कहा कि राजनीति में ज्यादा से ज्यादा युवाओं को लेकर आना है। यहां बड़ी संख्या युवाओं की है। प्रधानमंत्री ने कहा था कि एक लाख युवाओं को देश की ग्रामीण पंचायत से लेकर लोकतंत्र के मध्य तक लाना है। युवा ज्यादा से ज्यादा राजनीति में आए। राजनीति में नई सोच, नए विचार, नई ऊर्जा की आवश्यकता है। युवा आगे बढ़ें और पुराने राजनीति दररे को छोड़कर नए दररे की राजनीति सकारात्मक रूप से करें। युवा राजनीति में आए तो नामदारों वाली नहीं कामदारों वाली राजनीति के

रूप में काम करें। अभी हाल में ही एक बड़े व्यक्ति मिलने गुरुग्राम में आए और बधाई व शुभकामना दी। उन्होंने एक बात कही कि बेटा उन्होंने बहुत लंबे समय से इस क्षेत्र में राजनीति को देखा है, पर 99 में किसी परिवार को जनता की सेवा का मौका मिला हो और उसके बाद भी आज तक 25-30 सालों तक जनता के बीच जुड़ाव से लगा रहे, ऐसा उदाहरण मैंने कोई नहीं देखा। यह सुन उन्हें कहा कि यह रिश्ता राजनीति से नहीं जुटा, यह आत्मीयता का रिश्ता है। उसी दम पर यह रिश्ता आज तक संभाल कर रखा है। परिवार ने तो पाला है, इस समाज ने संभाला है।

अभिनंदन कार्यक्रम रेवाड़ी में रखा गया। जब इस कार्यक्रम की खबर पहुंची तो फिर फोन आया। उन्होंने कहा गुरुग्राम को तो समझ में आ गया, रेवाड़ी में क्यों कार्यक्रम रखा गया। जवाब दिया कि जड़े रेवाड़ी से आती है। गांव रेवाड़ी में है। पूरा परिवार रेवाड़ी में है। फिर आज नारनौल के इस कार्यक्रम का पोस्टर सोशल मीडिया पर डाला तो फिर शाम को एक फोन आया कि गुरुग्राम व रेवाड़ी में कार्यक्रम समझ में आ गया। अब नारनौल में कार्यक्रम समझ में नहीं आया। जवाब दिया कि नारनौल तो मेरा ननिहाल है।

इनकी रही मौजूदगी

महेंद्रगढ़ विधायक कंवरसिंह यादव, पूर्व सिंचाई मंत्री डा. अमरसिंह यादव, पूर्व डिप्टी स्पीकर संतोष यादव, पूर्व विधायक सीताराम यादव, जिला अध्यक्ष यतेंद्र राव, पूर्व जिला अध्यक्ष राकेश शर्मा एडवोकेट व अजीत यादव, वरिष्ठ नेता गोबिंद भारद्वाज, जिला प्रमुख डा. राकेश कुमार, विक्रम खिलारो, पवन खैरवाल, दीपेंद्र राव, एडवोकेट मोहित यादव, देवेंद्र बलाना, सैनी सभा के पूर्व प्रधान बिशन सैनी, संजय सैनी सहित भाजपा संगठन से जुड़े पदाधिकारी व कार्यकर्ता मौजूद रहे।



मंडी अटेली। शिविर में ग्रामीणों की समस्याएं सुनते अधिकारी। फोटो : हरिभूमि

एक छत के नीचे मिली सरकारी सेवाएं ग्रामीणों को कार्यालयों के चक्कर से राहत

मंडी अटेली। सरकारी योजनाओं और सेवाओं के लिए अलग-अलग कार्यालयों के चक्कर लगाने वाले ग्रामीणों को सहिष्णु ब्लाक में राहत मिली है। सेवा संकल्प अभियान के तहत बाबा खेतानथ मंदिर में आयोजित शिविर में एक ही स्थान पर विभिन्न विभागों के अधिकारी और कर्मचारी मौजूद रहे। ग्रामीणों ने अपनी समस्याएं रखी और संबंधित विभागों से जानकारी लेकर कई कार्यों की प्रक्रिया मौके पर ही पूरी करवाई। सुबह से ही शिविर में ग्रामीणों की आवाजाही शुरू हो गई। किसी ने बिजली से जुड़ी समस्या रखी तो किसी ने परिवार पहचान पत्र में सुधार की जानकारी ली। बुजुर्ग पेंशन से संबंधित कार्यों के लिए भी ग्रामीण पहुंचे। बिजली विभाग के एसडीओ अमित सोनी ने लोगों की समस्याएं सुनी और संबंधित कर्मचारियों को आवश्यक कार्रवाई के निर्देश दिए। परिवार पहचान पत्र के जौनल मैनेजर हनुदपाल ने भी ग्रामीणों की समस्याएं सुनी और कई मामलों का मौके पर समाधान किया। इस मौके पर सरपंच प्रतिनिधि प्रमोद यादव ने कहा कि ग्रामीण क्षेत्रों में इस प्रकार के शिविर आयोजित होने से लोगों को सरकारी सेवाओं का लाभ लेने के लिए बार-बार शहर के कार्यालयों में जाने की जरूरत नहीं पड़ती। ऐसे शिविरों से लोगों को योजनाओं की जानकारी के साथ आवेदन और प्रक्रिया पूरी करने में भी मदद मिलती है। उन्होंने प्रशासन से भविष्य में भी गांव स्तर पर ऐसे शिविर आयोजित करने की मांग की। इस मौके पर डॉ. राजपाल, डॉ. शक्ति सिंह, संजय, डॉ. राकेश कुमार, ग्राम सचिव मंजीत, नवीन कुमार, दीप सिंह, वीरेंद्र प्रधान, प्रमोद यादव, समीर यादव, कपिल, पंकज, जालंधर सहित अन्य मौजूद रहे।

हरिभूमि
आवश्यक सूचना
जिन पाठकों को अखबार मिलने में किसी भी प्रकार की असुविधा हो रही हो या उनके घर में कोई अन्य अखबार दिया जा रहा हो वह इन टेलीफोन नम्बरों पर सम्पर्क करें या व्हाट्सअप करें :-
महेंद्रगढ़ :- हरिभूमि कार्यालय, हुड़ा पार्क के सामने, डाक्टर भगत डैटल अस्पताल वाली गली, नजदीक बस स्टैंड, महेंद्रगढ़।
नारनौल :- सत्य प्लाजा, प्रथम तल, तरुण फ्लोर लेब वाली गली, नजदीक बस स्टैंड, नारनौल
फ़ोन : 8295154800, 8295738500, 9253681005

झंडा चौक पर रामलीला की रिहर्सल शुरू, 5 अक्टूबर से होगा मंचन

मंडी अटेली। अटेली मंडी के झंडा चौक पर श्री शिव रामलीला समिति की ओर से रामलीला मंचन की तैयारियां शुरू कर दी गई हैं। समिति के कलाकार नियमित रूप से रिहर्सल कर रहे हैं। झंडा चौक पर पांच अक्टूबर से रामलीला का मंचन किया जाएगा। रिहर्सल के दौरान कलाकार अपने-अपने पात्रों के संवाद, अभिनय और भाव-भंगिमाओं का अभ्यास कर रहे हैं। हनुमान का किरादार संजय गुप्ता, दशरथ का एडवोकेट सुनील, सुगीव का वेदप्रकाश, ताड़का का राकेश सैनी, शंकर का पिकु शर्मा और रावण का किरदार पवन शास्त्री निम्ना रहे हैं। बाणसुर की भूमिका गौरव गर्ग और मनोज कावटिया निम्ना रहे हैं जबकि राजवीर भी विशेष भूमिका के लिए रिहर्सल कर रहे हैं। इस बार रामलीला के साथ रावण दहन को लेकर भी विशेष तैयारियां की जा रही हैं। समिति के अनुसार अटेली में पहली बार 60 फुट ऊंचे रावण के पुतले का दहन किया जाएगा।



जन्मदिन पर गोशाला में सवामणी लगाकर की गोसेवा

महेंद्रगढ़। गांव सिसोठ निवासी सनाजसेवी सूरत सिंह चेयरमैन ने अपने जीवन के 57 वर्ष पूरे होने पर अपना जन्मदिन गोसेवा की समर्पित किया। उन्होंने गोशाला में गौमाता के लिए सवामणी लगाकर अपने हाथों से चाट खिलाई। इस दौरान उनकी पत्नी सुकेश देवी, पुत्रवधू दीपिका यादव, भतीजा सचिन और पोती सनया साथ रही। मिशन जनसेवा समिति प्रधान मुकेश चौहान एवं सेवानिवृत्त प्राचार्य सुरेन्द्र सिंह गाहड़ा ने कहा कि सूरत सिंह चेयरमैन द्वारा किया गया यह कार्य समाज के लिए प्रेरणादायक है। इस मौके पर सैनी सभा प्रधान सुरेश सैनी, गोशाला प्रधान नवीन राव, सरपंच झूक अंगिल यादव, सीताराम यादव, बाबूलाल यादव, सज्जान सिंह मौजूद रहे।

बेटी के आगमन से चौहान परिवार में छाई खुशियां, किया कुआं-पूजन

नारनौल। मोहल्ला जेठ मंडेरी नजदीक किला रोड निवासी रमेश चौहान के परिवार में नव्वी पोती निर्मिका के आगमन पर खुशी का माहौल देखने को मिला। इसी खुशी के अवसर पर परिवार की ओर से पारंपरिक रीति-रिवाजों के साथ कुआं पूजन समारोह का आयोजन किया गया। जिसमें परिवार के सभी सदस्यों ने पूरे हर्ष एवं उल्लास के साथ भाग लिया। विधि-विधान एवं पारंपरिक रस्मों के अनुसार कुआं पूजन किया गया। नव्वी बिरिया के आगमन की खुशी में परिजनों ने एक-दूसरे को बधाई दी और नवजात बिरिया के सुखी, स्वस्थ एवं उज्ज्वल भविष्य की मंगलकामना की। इस अवसर पर रिश्तेदारों, सगे-संबंधियों एवं मित्रगणों ने भी समारोह में पहुंचकर परिवार को शुभकामनाएं दी तथा नव्वी बिरिया को अपना आशीर्वाद प्रदान किया। पूरे कार्यक्रम के दौरान परिवार में उत्साह, उमंग और खुशियों का माहौल बना रहा।



करीब 1 करोड़ 13 लाख रुपये की लागत से लगाई जा रही आधुनिक स्ट्रीट लाइट, रात में वाहन चालकों को मिलेगी राहत

नारनौल-दादरी हाइवे पर तार लगाने का काम शुरू, जल्द होगा जगमग

करीब 20 दिन पहले डिवाइडर के बीच में लगाए थे पोल व लाइट

हरिभूमि न्यूज़ ॥ महेंद्रगढ़

नारनौल-दादरी स्टेट हाईवे के महेंद्रगढ़ शहरी क्षेत्र में अब रात के समय सड़कें रोशनी से जगमगाएंगी। शहर से गुजरने वाले स्टेट हाईवे पर आधुनिक स्ट्रीट लाइट लगाने का काम पूरा होने के बाद, अब स्ट्रीट लाइट पर वायर लगाने का कार्य शुरू हो गया है। करीब एक करोड़ 13 लाख रुपये की लागत से होने



महेंद्रगढ़। स्टेट हाइवे पर लगाई गई स्ट्रीट लाइट।

फोटो : हरिभूमि

वाले इस कार्य के पूरा होने के बाद महेंद्रगढ़ शहर की सुंदरता में जहां चार चांद लगेंगे, वहीं रात के समय हाईवे से गुजरने वाले वाहन चालकों

और आम राहगीरों को भी काफी सुविधा मिलेगी। गौर हो कि शहर के मुख्य मार्ग से रोजाना बड़ी संख्या में छोटे-बड़े वाहन गुजरते हैं। रात के

समय पर्याप्त रोशनी नहीं होने के कारण वाहन चालकों को कई स्थानों पर परेशानी का सामना करना पड़ता था। विशेषकर हाईवे के शहरी क्षेत्र में सड़क किनारे पैदल चलने वाले लोगों और दोपहिया वाहन चालकों के लिए अंधेरे में आवागमन करना जोखिम भरा रहता था। अब आधुनिक स्ट्रीट लाइट लगाने से इन समस्याओं में काफी कमी आने की उम्मीद है। कार्य पूरा होने के बाद हाईवे का पूरा शहरी हिस्सा रात के समय रोशन दिखाई देगा। इससे सड़क पर दृश्यता बेहतर होगी और वाहन चालकों को दूर तक सड़क दिखाई देने में आसानी होगी।

शहर की सुंदरता में होगा इजाफा

महेंद्रगढ़ शहर से गुजरने वाला नारनौल-दादरी स्टेट हाईवे शहर का प्रमुख मार्ग है। दिन के समय इस मार्ग पर काफी चहल-पहल रहती है, लेकिन रात के समय पर्याप्त रोशनी की कमी के कारण सड़क का स्वरूप अलग दिखाई देता था। अब स्ट्रीट लाइट लगाने के बाद न केवल सड़क पर प्रकाश व्यवस्था बेहतर होगी, बल्कि शहर का सौंदर्य भी बढ़ेगा। आधुनिक स्ट्रीट लाइटों से हाईवे का शहरी क्षेत्र आकर्षक नजर आएगा।

विधायक के प्रयास से शुरू हुआ कार्य

स्टेट हाईवे के शहरी क्षेत्र में स्ट्रीट लाइट लगाने का यह कार्य विधायक कंवर सिंह यादव के प्रयासों से शुरू हुआ है। क्षेत्र की इस महत्वपूर्ण मार्ग को लेकर लगातार प्रयास किए गए, जिसके बाद करीब एक करोड़ 13 लाख रुपये की लागत से आधुनिक स्ट्रीट लाइट लगाने की योजना को अमलीजामा पहनाया जा रहा है। कार्य शुरू होने के बाद शहरवासियों ने इसके लिए विधायक कंवर सिंह यादव का अभिनंदन किया है।



राजकीय कॉलेज की छात्रा हर्षिता मित्तल व श्रुति तनेजा ने यूजीसी नेट की उत्तीर्ण

नारनौल। राजकीय महिला महाविद्यालय की छात्राओं हर्षिता मित्तल व श्रुति तनेजा ने यूजीसी-नेट की कॉमर्स विषय की परीक्षा उत्तीर्ण की। इस उपलब्धि पर प्राचार्य डॉ. अमित चौधरी ने दोनों छात्राओं को सम्मानित किया। प्राचार्य ने कहा कि एमकॉम की पढ़ाई के साथ-साथ यूजीसी-नेट जैसी राष्ट्रीय स्तर की पाठ्य परीक्षा उत्तीर्ण करना उत्कल्लेखनीय उपलब्धि है। उन्होंने कहा कि हर्षिता मित्तल और श्रुति तनेजा की सफलता महाविद्यालय की अन्य छात्राओं के लिए भी प्रेरणादायक है। प्राचार्य ने इस उपलब्धि के लिए कॉमर्स विभाग की अध्यक्ष डॉ. पारुल गुप्ता, विभाग के शिक्षकों डॉ. मनमोहन कौर, डॉ. पूनम कुमार, डॉ. अश्वनी भारद्वाज, प्रवीण गुप्ता, स्वीटी गोयल व पूजा बत्रा को भी बधाई दी।



गांव जांजड़ियावास में आंगनबाड़ी केंद्र पर चलाया सेवा संकल्प अभियान, दी जानकारी

महेंद्रगढ़। गांव जांजड़ियावास की आंगनबाड़ी केंद्र पर सेवा संकल्प अभियान कार्यक्रम किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता सुपरवाइजर मंजू देवी ने की, जबकि गांव के सरपंच विशेष अतिथि के रूप में मौजूद रहे। कार्यक्रम में ग्रामीणों ने बड़-चढ़कर भाग लिया। इस दौरान जय सिंह, पंच रामनारायण, कैप्टन विजय सिंह, सुबेदार कवशंति तथा सुबेदार लाल सिंह सहित अनेक ग्रामीण उपस्थित रहे। सुपरवाइजर मंजू देवी ने कहा कि सेवा संकल्प अभियान का उद्देश्य लोगों को जागरूक कर समाज के अंतिम व्यक्ति तक योजनाओं का लाभ पहुंचाना है। कार्यक्रम के दौरान ग्रामीणों ने अभियान को सफल बनाने में सहयोग देने का संकल्प लिया। कार्यक्रम में आंगनबाड़ी कार्यकर्ता एवं ग्रामीण मौजूद रहे।

बेटे के जन्मदिन पर वार्ड 16 के पार्षद विशाल सैनी ने चलाया स्वच्छता अभियान

नारनौल। वार्ड नंबर 16 के पार्षद विशाल सैनी ने अपने बेटे का जन्मदिन इस बार अनोखे एवं सामाजिक संदेश के साथ मनाया। उन्होंने राजकीय प्राथमिक पाठशाला मोहल्ला पुरानी मंडी में अपनी टीम के साथ पहुंचकर विद्यालय परिसर में स्वच्छता अभियान चलाया। इस दौरान पार्षद विशाल सैनी व उनकी टीम ने स्कूल परिसर की साफ-सफाई की और बच्चों को स्वच्छता के प्रति जागरूक किया। इसके बाद छोटे बच्चों के बीच उपहार वितरित कर उनके साथ जन्मदिन की खुशियां साझा की। इस अवसर पर विशाल सैनी ने कहा कि जन्मदिन जैसे विशेष अवसरों को जरूरतमंद एवं छोटे बच्चों के साथ खुशियां बांटकर मनाने से खुशी और भी बढ़ जाती है। उन्होंने लोगों से स्वच्छता को अपनी दिनचर्या का हिस्सा बनाने और बच्चों को अच्छे संस्कार देने का आह्वान किया।



देवीलाल की जयंती कार्यक्रम में जिले से रवाना होंगे हजारों कार्यकर्ता: सुधीर यादव

कनीना। पूर्व उपप्रधानमंत्री ताऊ देवीलाल की 113वीं जयंती के उपलक्ष्य में रविवार को नूंह की धरती पर इनेलो की ओर राज्य स्तरीय सम्मान दिवस समारोह का आयोजन किया जाएगा। जिसमें इनेलो सुप्रिमे अमर सिंह चौल्ला मुख्य अतिथि होंगे। अटेली हलके से पार्टी के युवा हल्का प्रधान अटेली एवं कानुन प्रकोष्ठ कार्यकारिणी के सदस्य सुधीर यादव ने बताया कि समारोह में जिले से हजारों कार्यकर्ता कूच करेंगे। उन्होंने बताया कि समारोह के लिए 75 एकड़ में वाटर प्रूफ टेंट लगाया गया है। इस मौके पर हरिश गाहड़ा, रघुनाथ यादव, पवन कुमार, अमन कुमार, केवल सिंह, अनमोल सिंह, नवीन कौशिक, रितिक कुमार, कुणाल, मोहित, संजय कुमार, सौंदर्य सौंदर्य आदि रहे।